अनुसूची ३—फार्म सं० ५८
सर्वेक्षण एवं बन्दोबस्त पद्धति १९२७, फारम [illegible] (भाग)

मौजा बरैठा महाल [illegible] परगना [illegible] 226

थाना [illegible] पट्टी ____ 122

[illegible] खेवट नं.

बाबु आवधेश कुमार जी (सेवकाल)

खेवटदारी का नाम और उनकी खेवट संख्या
मालगुजारी, मुकर्ररी का नाम और उनकी खेवट संख्या

रैयतदारी का नाम, पिता का नाम, जाति और निवास	खेत संख्या	रकबा	कुल का लगान	[illegible]
१	२	३	४	
229 मोतीलाल	14	कि. नन्दलाल गीर		
माता [illegible]	[illegible]	मध्यो		
शीवधारी		उ. बांध		
मध्यो [illegible]		द. [illegible]		
		[illegible]		
		प. Tom		
[illegible]				
[illegible]	[illegible]	उ.	गैर	2
	[illegible]	द.	[illegible]	
		पू.		
		प.		
	56	उ. बालकीशुन	[illegible]	X
[illegible]		द. शामलाल मध्यो		
		पू. बीज		
		प. शीवलाल [illegible]		
	103	उ. बालकीशुन गैर		X 21
[illegible]		द. शामलाल मध्यो		
		पू. शीवलाल [illegible]		
		प. बीज		
	102	उ. बालकीशुन मध्यो	[illegible]	X 38
[illegible]		द. शामलाल [illegible]		
		पू. बीज		
		प. बीज		
	128	उ. [illegible] गैर मध्यो		X 70
		द. [illegible] मध्यो		
		पू. [illegible]		
		प. [illegible] मध्यो		

Scanned with CamScanner

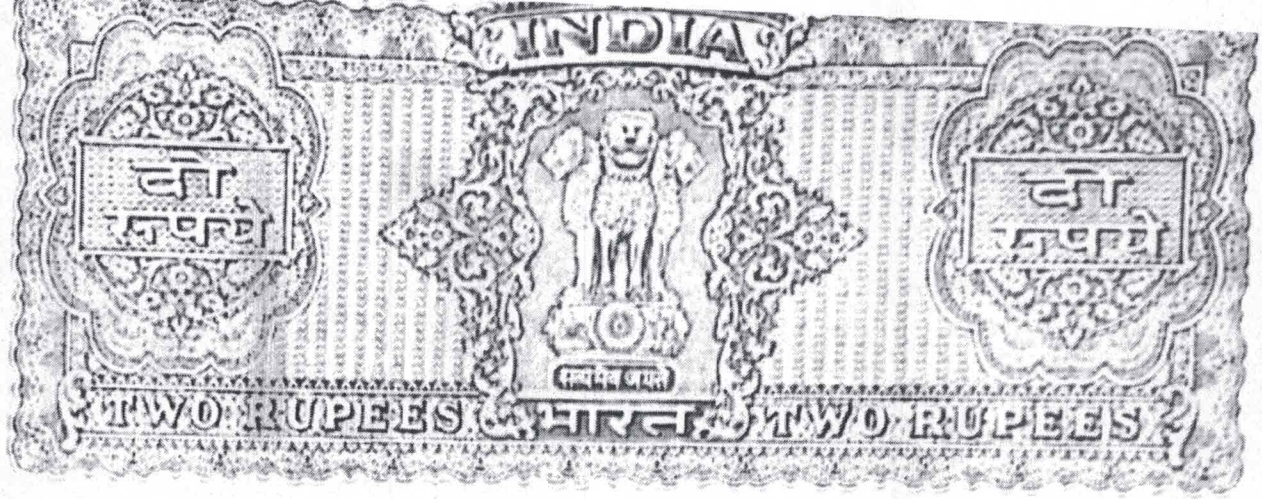

INDIA

दो रुपये | सत्यमेव जयते | दो रुपये

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

आज दिनांक १८-११-०५ को बिसुनदेव सिंह (प्रसाद) वल्द स्व० श्री सत्यनारायण सिंह एवं राजेश कुमार वगैरह वल्द श्री गुरुदेव प्रसाद ग्राम+पो०- बैरिया, जि०- पटना के घर पर बैठक हुआ जिसमें दोनों पक्षों ने निम्नलिखित पंचों को मनोनित किया। जिसमें निम्नलिखित पंच उपस्थित थे।

१) श्री जयमंगल प्रसाद (विक्रमपुर)
२) श्री शम्भू सिंह (बैरिया)
३) श्री ललन राय (बैरिया)
४) श्री यादवेन्द्र कुमार (मखनाँ)

उपर्युक्त पंचों ने मिलकर श्री हरिनारायण सिंह ग्राम- कोपा, पो०- सिंघाड़ा, जि०- पटना को मनोनित किये।

(१) विषय:- श्री बिसुनदेव सिंह वल्द स्व० श्री सत्यनारायण सिंह, ग्राम+पो०- बैरिया, प्रगना- अजीमाबाद, थाना- गौड़ीचक, जि०- पटना भारतीय नागरिक।

(२) राजेश कुमार उर्फ मन्टू कुमार (वगैरह) वल्द श्री गुरुदेव प्रसाद ग्राम+पो०- बैरिया, प्रगना- अजीमाबाद थाना- गौड़ीचक, जि०- पटना भारतीय नागरिक।

बिसुनदेव प्रसाद
१८।११।०५

राजेश कुमार उर्फ मन्टू कुमार
१८-११-०५

[illegible] का आपसी बटवारा पर उपर्युक्त पंचो ने विचार करके कुल जायदाद का बटवारा कर दि[illegible] जिसके अनुसार दोनों पक्षों ने मान लिया, जिसमें निम्नलिखित प्लौट बाँटा गया /

इस मजमुन को पढ़कर और पढ़वाकर सुन समझ लिया और अपना - अपना हस्ताक्षर बना दिया / इसलिए यह लिख दिया गया कि समय पर काम आवे /

नं०-१ किसुनदेव सिंह को निम्नलिखित रकबा मिला (मकान सहित)

तौजी नं०	खाता नं०	प्लौट नं०	रकबा (डी०)	महाल	चौहदी
२२१	९५२	६२१	3	नया मकान	किसुन देव सिंह को मिला /
२२१	१११	४११	२	बगीचा	उत्तर में (पुराने मकान के बदले)
२२१	१११	४११	१	बगीचा	उत्तर में
२२१	२८१	५४०	१८	घेरान	पश्चिम रोड के सामने
२२१	२८१	५४०	१८	घेरान	दक्षिण में आम के दो पेड़ सहित
२२१	२८१	१०१८	५१.	सुला टोला	पश्चिम में
२२१	२८१	१०३८	६	भीतरी खन्धा	पश्चिम में
२२१	२८१	१०४३	४	भीतरी खन्धा	पूरब में
२२१	२८१	१२०८	४२१.	गरबुरहा	पूरब में
२२१	२८१	२३४२	१६	मोहनीडाल	दक्षिण में (शेष देवेन्द्र को मिला)
१९५	११४	२३५१	२९११.	बीरिकाहवा	पूरब में
१९५	११८	२८४८	८	डुंगरबिशा	दक्षिण में
१९५	११४	२४३६	४०	रेहन	दक्षिण में

तौजी नं	खाता नं	प्लौट नं	डिसमील	महाल	चौहद्दी
229	271	356	28.	नदी में	दक्षिण में
229	151	445	5	गढा नदी में	दक्षिण में
229	271	102	5 }	सुअरीमाबात	पश्चिम में
229	271	103			
229	271	85	31	मुसहरी पिण्डी	पूरब में
229	271	133	50.	टांड़ पर	दक्षिण में
229	271	148	31	पादिल्यारी खरन्या	पूरब में
360	308	223	411.	लालाबाला	दक्षिण में
229	271	215	25	नया कुआँ	उत्तर में
229	271	215	23	बड़तर	पूरब में
229	271	150	1 एकड़ 411.	चीमनी चक	पूरब में
125	885	248	26	बिहारी के मकान के निकट	दक्षिण में
229	271	404	4 कट्ठा 2 धूर	संतोष कुआँ, उसके बदले में किसुन देव सिंह को ट्यूबवेल पंचों ने दिखाया।	

ताड़ जमा में छोटा-बड़ा बारह की संख्या में है।

निम्नलिखित पंचों का हस्ताक्षर संलग्न है-

(1) श्री मंगल प्रसाद (विक्रमपुर) ता-18-11-95

(2) रामस्वसिंह बैरिया-18-11-95

(3) लालदेव राय (बैरिया) 18-11-95 बायें अंगूठे का निशान

(4) यादवेन्द्र कुमार (मधपुर) 18-11-95

(5) हरिनारायण सिन्हा (कोपा) 18-11-1995

मौजे निरीक्षण कर पाया 18/11/95

सही मनोज कुमार अंचल राजस्व कर्मचारी